ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-7 जुलाई-I, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

न्यायमूर्ति के.सी. प्रसाद ने किया तीन दिवसीय मीडिया सम्मेलन का आगाज़

योग के प्रचार में सहयोगी बन सामाजिक क्रांति लाए मीडिया-प्रसाद

उद्घाटन सत्र में जस्टिस के.सी. प्रसाद, सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. ओमप्रकाश, राजीव रंजन नाग व ब्र.कु. आत्मप्रकाश। बैंगलोर से आए कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। योग एवं अध्यात्म भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का अक्षुण्य अंग हैं। अनेकता में एकता के मज़बूत धरातल पर कायम इस महान देश ने अब पूरे विश्व में योग विद्या का प्रसार करने की ठानी है। अतः मीडिया का यह नैतिक धर्म बनता है कि वह इसके प्रचार-प्रसार में सहयोगी बनकर सामाजिक क्रांति लाए। उक्त उद्गार भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष न्यायमूर्ति के.सी. प्रसाद ने मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय मीडिया महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किये।

उन्होंने प्रेस परिषद की भूमिका के विषय में अन्य वक्ताओं द्वारा उठाए गए सवालों पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि परिषद मीडिया के आचार संहिता तैयार करने व उसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध तो है लेकिन ऐसी संतुलित नीति भी अपनानी होगी कि मीडिया की स्वतंत्रता के मामले में परिषद पर कोई आक्षेप न आए।

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जिस प्रकार अन्य राष्ट्रीय अभियानों की सफलता में मीडिया की भूमिका सराहनीय रही है,उसे देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि योग एवं अध्यात्म की प्रगति की ज़िम्मेदारी निभाने के लिए भी मीडिया देश की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।

सामाजिक क्रान्ति लाने हेतु मिलकर लिया एक संकल्प

देश भर से आये मीडियाकर्मियों को आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा सींचा गया, उनके मन तक पहुंचने की कोशिश की गई और उनकी ज्ञान और योग के प्रति जवाबदारी को लेकर हुई चर्चा एक नया रूप लेकर उभरी। सभी ने ज्ञान और योग के द्वारा एक सामाजिक क्रान्ति लाने हेतु मिलकर एक संकल्प लिया तथा एक अग्रिम कार्ययोजना भी बनाई तथा उसपर कार्य करने के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। इस सम्मेलन में देश के लगभग 500 से भी अधिक बहुप्रतिष्ठित विभिन्न मीडिया संस्थाओं से संबंधित लोगों ने हिस्सा लिया।

ओमप्रकाश ने कहा कि विकारों व अज्ञानता से ही अशांति उत्पन्न होती है। ऐसे में यदि योग एवं आध्यात्मिकता को जीवन में धारण करें तो सभी बुराइयों से छुटकारा पाया जा सकता है।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक **ब्र.कु. आत्मप्रकाश** ने कहा कि विज्ञान ने मानव को बहुत कुछ दिया, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं,व्याधियों,दुर्घटनाओं, हिंसा एवं पर्यावरण प्रदूषण आदि में भी उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। इसका मूल कारण देह अभिमान है जिससे मुक्ति पानी होगी।

-शेष पेज 11 पर...

लोगों को दें जीवन का व्यवहारिक ज्ञान : सिसोदिया

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। समाज में मूल्यों की स्थापना के लिए मूल्य आधारित शिक्षा पर ज़ोर देना समय और परिस्थितियों की मांग है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा `स्वर्णिम युग के लिए दिव्य ज्ञान' विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर डिग्री प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि ज़रूरत इस बात की है कि लोगों में जनजागृति लाकर उन्हें जीवन का व्यवहारिक ज्ञान दिया जाए।

कोटा वर्धमान महावीर ओपन यूनीवर्सिटी के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि मूल्यविहीन शिक्षा स्वयं ही अर्थ विहीन हो जाती है। शिक्षाविद ब्रह्माकुमारी संगठन से स्वयं में ऐसा आध्यात्मिक निखार लेकर जाएं, जिससे वे समाज को नई दिशा देने में अहम भूमिका अदा कर सकें।

ज्ञानसरोवर की निदेशिका ब्र.कु.डॉ निर्मला ने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली सर्टीफिकेट देती है पर जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। सुधार के लिये यह आध्यात्मिक शिक्षा ही कारगर हो सकती है। माँ बाप एवं गुरूजन जब मूल्य आधारित बनेंगे तो बच्चे भी सुधरेंगे एवं संसार भी सुधरेगा।

श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय तिरूपति की कुलपति प्रो.एस रत्ना कुमारी ने कहा कि अन्य लोगों के जीवन को प्रकाशित करने के लिए पहले मुझे स्वयं का जीवन प्रकाशित करना होगा। मुझे गर्व है कि ब्रह्माकुमारी संस्थान ऐसा कर पाने में सफल है। आज लोग जानते नहीं कि शांतिपूर्ण जीवन का अर्थ क्या है? ब्रह्माकुमारीज़ इसमें सहयोगी बन सकेगी। हमें इसका लाभ लेना चाहिये।

सी.डी.एल. विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो.राधे श्याम शर्मा ने कहा कि यह अनूठा विश्वविद्यालय ऐसा है जहाँ मन नियंत्रित होता है, शांत होता है। - शेष पेज 5 पर

शिक्षा प्रभाग द्वारा 'स्वर्णिम युग के लिए दिव्य ज्ञान' विषय पर सम्मेलन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, ब्र.कु. डॉ. निर्मला, प्रो. राधेश्याम शर्मा, डॉ. हरीश शुक्ला, ब्र.कु. डॉ. पाण्ड्यामणि, डॉ. विनय कुमार पाठक, ब्र.कु. मृत्युंजय व अन्य।

इनसाइड पर विशेष -

संकल्पों पर दें पहरा, अनुभव होगा.-पेज नं 3 पर

समय के साथ प्रभावी. - पेज नं 4 पर

कैसे अपनायें अच्छी आदतें- पेज नं 5 पर

बहुत ही सहज है राजयोग. - पेज नं 6 पर

आप सबके लिए खुशखबरी है कि ओमशान्ति मीडिया के हर अंक में वर्ग पहेली आप तक पहुंचेगी। यह पहेली खासकर बच्चों, घर में रहने वाली माताओं, बहनों के लिए ज्ञानवर्धक साबित होगी ऐसी हमारी शुभ आशा है।